खुले में गंदगी करने व कचरा पात्र नहीं रखने पर 8 व्यक्तियों पर जुर्माना

रतलाम। कलेक्टर एवं प्रशासक नगर पालिक निगम रतलाम कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशानुसार नगर में ऐसे दुकानदार व नागरिक जो कि खुले में कचरा डालकर शहर को गंदा करते है उन पर लगाम लगाने हेतु स्पॉट फाईन दल द्वारा संबंधितों पर स्पॉट फाईन की कार्यवाही की जा रही है जिसके तहत 8 दुकानदारों पर जुर्माना किया गया।

निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार स्पॉट फाईन दल द्वारा बादल शहीद चौक, धर्मेन्द्रसिंह राठौर, कमल धानमण्डी, रतन सागर गणेश देवरी, गंगा मिठाई, गंगा स्वीट्स बाजना बस स्टैण्ड, मांगीलाल व किशोर कुमार त्रिपोलिया गेट द्वारा गंदगी करने पर 100-100 रूपये का स्पॉट फाईन कर भविष्य में गंदगी ना करने की समझाईश दी। नगर निगम द्वारा नागरिकों से भी अपील की जाती है कि शहर को गंदा करने वाले नागरिकों, दुकानदारों आदि की जानकारी स्पॉट फाईन दल के मनोज टांक मो.नं. 7000848456, पवन झांझोट मो.नं. 7000128812, आकाश शिन्दे मो.नं. 9424075393, 7724981736 मनोज झांझोट मो.नं. 6268449110, राकेश लालावत मो.नं. 7000128812 को देकर नगर को साफ-स्वच्छ बनाने में सहयोग प्रदान करें।

सेवा से बर्खास्त किए जाने का सूचना पत्र जारी

रतलाम। शहर के वार्ड क्रमांक- 15 के कचरा संग्रहण वाहन के हेल्पर विकास पुत्र गोवर्धन द्वारा 10 जून से बिना सूचना के अनुपस्थित रहने पर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार सेवा से बर्खास्त किए जाने का सूचना पत्र जारी किया गया।

गंदगी फैलाने पर 10 लोगों से वसूला जुर्माना

रतलाम। खुले में गंदगी करने व कचरा पात्र नहीं रखने पर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार स्पाट फाइन दल द्वारा मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों में 10 दुकानदार व नागरिकों पर जुर्माना किया गया। दारासिंह, कृष्णपालसिंह, अनूप शर्मा, निहाल, फकरूद्दीन, चादव राम मंदिर, सिसौदिया, पुखराज जाट, हुसैन अलकापुरी, शिवपाल बाजना बस स्टैंड द्वारा गंदगी करने पर 100-100 रुपये का स्पाट फाइन कर भविष्य में गंदगी नहीं करने की समझाइश दी गई।

नाला सफाई मुहिम की पोल खुली रोड व भेरू मंदिर में गंदा पानी भरा

रतलाम | नालों की सफाई के लिए नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही मुहिम की पोल मंगलवार सुबह खुल गई। थोड़ी ही बारिश से नाला जाम होने से खेरादीवास से पोरवाड़ों के वास तक सड़कों पर पानी भर गया। यह गंदा पानी घास बाजार स्थित भेरूजी मंदिर में भी घुस गया। इसके बाद से रहवासियों में आक्रोश है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी तीन के अध्यक्ष बसंत पंड्या ने निगम को चेतावनी दी है कि दो दिन में बाजार के नालों की ठीक से सफाई नहीं करवाई गई तो आंदोलन करेंगे।

56 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए

रतलाम। आयुष्मान भारत 'निरामयम' योजना अंतर्गत शहर के पात्र हितग्राहियों के निशुल्क आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य नगर निगम द्वारा किया जा रहा है। वार्डों के कामन सर्विस सेंटरों पर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशन में वार्ड वार नियुक्त अधिकारी- कर्मचारियों द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे है। अब तक 2236 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके है। बुधवार को 56 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए।

दै. भास्कर २४/6/२०२१

सोशल डिस्टेंसिंग की उड़ रही धज्जियां : थोक सब्जी मंडी खुली, फिर भी त्रिवेणी पुलिस लाइन के पास लग रही अवैध थोक सब्जी मंडी

त्रिवेणी पुलिस लाइन के पास सुबह लग रही अवैध सब्जी मंडी।

रतलाम | कोरोना के कारण सवा महीने बंद रही फैलाना बस स्टैंड स्थित थोक सब्जी मंडी खुल गई है। बावजूद त्रिवेणी पुलिस लाइन के पास अभी भी अवैध थोक सब्जी मंडी लग रही है। यहां सोशल डिस्टेंसिंग का पालन तो नहीं हो रहा है। बावजूद यह मंडी रोजाना सुबह 6 से 7.30 बजे तक लग रही है। यही नहीं रविवार को जनता कर्फ्यू रहता है लेकिन इस दिन भी यह मंडी रोज की तरह ही लगती है।

लॉकडाउन में शुरू हुई थी मंडी, जो आज भी चालू है : लॉकडाउन में थोक सब्जी मंडी बंद थी। इससे यह अवैध सब्जी मंडी शुरू हुई थई। अब जब थोक सब्जी मंडी में नीलामी शुरू हो गई है। बावजूद यह अभी भी चालू है। यहां आसपास के गांवों से किसान आकर अपनी सब्जी बेचते हैं और फुटकर सब्जी विक्रेता भी यहां सब्जी खरीदने पहुंच जाते हैं।

अनाज मंडी में आज से रोज होगी नीलामी

रतलाम | प्याज एवं लहसुन के बाद अब अनाज मंडी में भी गुरुवार से रोज नीलामी होगी। अभी तक मंडी में तीन दिन नीलामी हो रही थी। हालांकि उपज बेचने के लिए किसानों को पूर्व में पंजीयन कराना जरूरी होगा। इस आधार पर ही किसान अनाज, दलहन एवं तिलहन बेच सकेंगे। नीलामी में सिर्फ रतलाम के किसान ही शामिल हो सकेंगे। मंडी सचिव सत्यनारायण गोयल ने बताया अन्य जिले के किसानों के पंजीयन की व्यवस्था नहीं होगी। किसान 9009266023, 9301878141 एवं 7999494143 मोबाइल नंबर पर कॉल कर पंजीयन करा सकते हैं।

पत्रिका/ 24/06/2021

60 से अधिक लोग दस्तावेजों का सत्यापन कराने पहुंचे थे लेकिन सिर्फ दो को लगा टीका

टीकाकरण तय करेगा सफर : नियमों ने बढ़ाई विदेश जाने वालों की मुश्किल

पत्रिका इंडेप्थ स्टोरी

लोग बोले जब वीजा ऑनलाइन मिला है तो उस आधार पर हो टीकाकरण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. विदेश में रहकर काम करने वाले लोगों की टीके ने परेशानी बढ़ा दी है। दरअसल प्रशासन द्वारा जारी किए गए निर्देशों के आधार पर लोगों को टिकट नहीं लग पा रहा है। विदेश जाने के पहले टीके का सेकंड डोज लगवाने के लिए बुधवार को करीब 60 लोग कलेक्टर कार्यालय पहुंचे थे लेकिन सिर्फ दो लोगों को ही यहां टीका लग सका। जिन लोगों को टीका नहीं लगा उनका कहना है कि यह जिस देश में जाना चाहते हैं वहां की सरकार या कंपनी ऐसा कोई दस्तावेज नहीं देती जिससे कि हमें टीका लग।

टीकाकरण के लिए दस्तावेज लेकर कलेक्टर कार्यालय आए लोग, घंटो यहां परेशान होते नजर आए। लोगों का कहना था कि जब हम खुद ही दुकान के मालिक हैं तो हमें कौन इस बात का प्रमाण पत्र देगा कि आपको काम पर आना है। वहीं कई लोग ऐसे भी हैं जो कि बीते 1 साल से लेकर 8 माह पूर्व से रतलाम आकर फंसे हुए हैं। प्रशासन को चाहिए कि जिन लोगों का विदेश में वीजा अपडेट हो गया है, उसे टीका लगाकर विदेश जाने की अनुमति जारी कर दी जाए।

सुबह से लगी थी कतार

दस्तावेज सत्यापन और टीकाकरण को लेकर विदेश यात्रा पर जाने वाले लोगों की कलेक्टर कार्यालय में सुबह से ही भीड़ जमा होने लग गई थी। यहां संबंधित कार्यालय खुलते ही सभी लोग अपने दस्तावेज सत्यापित कराने के लिए कतार बद्ध हो गए लेकिन जब प्रशासन द्वारा चाही गई जानकारी पूरी तरह से दस्तावेजों में शामिल नहीं थी तो अधिकारियों द्वारा ऑफर लेटर की मांग की गई और वह आने पर ही संबंधितो को टीका लगाने की बात कही गई

सिर्फ इनके लिए थे निर्देश

टीका लगवाने के लिए इच्छुक हितग्राही को परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण के कार्यालय में संबंधित दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे। इसमें शिक्षण उद्देश्य के लिए प्रवेश प्रस्ताव या औपचारिक दस्तावेज, क्या व्यक्ति पूर्व से ही किसी विदेशी शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत है, अध्ययन को सतत रखने के लिए विदेश यात्रा करना चाहता है, रोजगार संबंधी साक्षात्कार या ऑफर लेटर, टोक्यो ओलपिक गेम्स में सम्मिलित होने के लिए नामांकन संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करना होंगे।

विशेष सुविधा दी गई

अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वाले लोग दस्तावेज सत्यापन करा कर प्रमाण पत्र प्राप्त न्यू कलेक्ट्रेट में केवल 28 दिन के अंतराल पर कोविशिल्ड का दूसरा टीका लगवा सकते हैं। यह सुविधा केवल उल्लेखित श्रेणियों के लोगों उपरोक्त के अलावा अन्य किसी को भी यहां पर टीका नहीं लगना था।

वीजा हुआ है रिन्यूअल

हमें जिस देश में जाना है, वहां का वीजा जब मिल चुका है तो उसके आधार पर प्रशासन को टीकाकरण करना चाहिए जिससे कि लोगों को परेशानी ना हो। वर्तमान में प्रशासन द्वारा बनाए गए नियमों के हिसाब से हर कोई परेशान होता नजर आ रहा है। हमारी जो कंपनी है और जो संस्था है, उसके द्वारा ही वीजा रिन्यू किया गया है इसलिए टीका लगना चाहिए।

मोहम्मद नादिर, शहरवासी

हम जिस संस्था में काम करते हैं, उस संस्था के द्वारा हमारा वीजा तैयार करके ऑनलाइन भेजा गया है, अलग से कोई पत्र नहीं दिया गया है जो प्रशासन मांग रहा है। प्रशासन को चाहिए कि वीजा को आधार मानकर टीका लगाया जाए जिससे कि जो लोग यहां फंसे हैं, वह अपने काम पर जा सकें। विदेश जाने वाले सभी लोगों को वीजा देखकर टीका लगाया जाए।

युसूफ बद्री, शहरवासी

नवभारत 24/06/2021

महा वैक्सीनेशन का दूसरा दिन : केन्द्रों पर लगी लम्बी कतारें

रतलाम। जिले में महावैक्सीनेशन अभियान का जोरदार आगाज हुआ था और लक्ष्य से 25 प्रतिशत अधिक रिकॉर्ड टीकाकरण जिले में दर्ज हुआ था। लेकिन अभियान के दूसरे दिन

- दूसरे डोज के लिए भी परेशान हो रहे
- केन्द्रों की संख्या आधी होने से परेशानी

वैक्सीनेशन की कमी की वजह से रतलाम जिले में टीकाकरण केंद्रों की संख्या कम की गई है।

शहर में 52 केंद्रों की जगह अब 26 टीकाकरण केंद्रों पर ही वैक्सीनेशन का कार्य किया जा रहा है। जिसकी वजह से इन केंद्रों पर टीका लगवाने पहुंचने वाले लोगों की भीड़ लग गई है। सुबह 7 बजे से ही लोग टीका लगवाने के लिए कतार लगाते दिखाई दिए हैं। दरअसल पूरे मध्यप्रदेश में 21 जून से महा वैक्सीनेशन अभियान की रिकॉर्ड तोड़ शुरुआत हुई थी। रतलाम जिले में भी टीकाकरण को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा गया था। मंगलवार के दिन के ब्रेक के बाद अभियान के दूसरे ही दिन प्रशासन की व्यवस्थाएं ध्वस्त होती दिखाई दी जिसके मुख्य वजह जिले में टीके की कमी को बताया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि रतलाम जिले में वैक्सीन के करीब आठ हजार डोज उपलब्ध हो सके हैं। जिसकी वजह से रतलाम शहर सहित ग्रामीण अंचलों में भी वैक्सीनेशन केंद्रों की संख्या में कमी की गई है। जिसकी वजह से कुछ केंद्रों पर लोगों की भीड़ लग रही है। वैक्सीनेशन केंद्रों पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करवाने के लिए व्यवस्था में सुधार किया जा रहा है। सुबह से ही वैक्सीनेशन केंद्रों के बाहर बढ़ रही भीड़ को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन ने केंद्रों पर पहुंचे लोगों टोकन बांटकर वैक्सीनेशन व्यवस्था शुरू

कल तक 57425 का वैक्सीनेशन किया

21 जून से 23 जून शाम 6 बजे तक रतलाम जिले में कुल 57425 लोगों को वैक्सीनेशन डोज दिया गया। इस दौरान 18 से 44 आयु वर्ग के 45472 तथा 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 11943 लोगों को टीके लगाए गए। इसके तहत आलोट विकासखंड में अभियान के तहत अब तक 7321, बाजना विकासखंड में 2753, सैलाना विकासखंड में 3940, जावरा विकासखंड में 7733, पिपलोदा विकासखंड में 4507, रतलाम ग्रामीण क्षेत्र में 9994, रतलाम शहर क्षेत्र में 21177 लोगों को टीके लगाए गए। बुधवार को जिले में कुल 19283 टीके शाम 6 बजे तक लगाए जा चुके थे। उल्लेखनीय है कि 21 जून को 38,142 लोगों ने वैक्सीन लगवाई थी।

नवभारत

पत्रिका २५/०६/२०२१

दुकानों पर पूछा टीका लगवाया या नहीं

तत्काल आज ही जाकर लगवाए नहीं तो दुकान सील हो जाएगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. टीकाकरण महा अभियान के बीच बुधवार को पुलिस और प्रशासन का अमला एक बार फिर सड़कों पर उतरा। पहले तो अधिकारियों के द्वारा फ्लैग मार्च निकालकर इस शहर की वस्तुस्थिति का जायजा लिया गया और फिर उसके बाद अधिकारी गाड़ियों से उतरे और पैदल दुकानों पर जाकर जानकारी जुटाई की दुकानदारों द्वारा टीकाकरण कराया गया है या नहीं। साथ ही हिदायत भी दी गई कि यदि

शहर हाल जानने के लिए एसडीएम शहर अभिषेक गेहलोत और सीएसपी हेमंत चौहान पुलिस बल और नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारियों के साथ निकले थे। इस दौरान इनके द्वारा शहर की होटल और रेस्टोरेंट में जा कर पूछताछ की गई की कितने कर्मचारी है और वेक्सिनेशन हुआ या नहीं, यदि नहीं हुआ है तो अभी करवाया जाए नही तो आपकी दुकान सील की जाएगी। इसके अतिरिक्त कहा गया कि वेक्सिनेशन का प्रमाण पत्र दुकान के बाहर फोटो कॉपी करवा बाहर

दे.भास्कर 24/06/2021

धीरे-धीरे बढ़ता नया खतरा • देश के पांच राज्यों में डेल्टा+ वैरिएंट के 43 मामलों की पुष्टि

मप्र में कोरोना के डेल्टा प्लस वैरिएंट से पहली मौत, अब तक 5 मरीज मिले, इनमें 4 स्वस्थ हुए

• वैक्सीन जरूरी है... मृतक महिला उज्जैन की, उनकी मौत मई में हुई, रिपोर्ट अब आई, **उन्होंने वैक्सीन नहीं लगवाई थी,** जबकि 1 डोज लगवा चुके उनके पति भी संक्रमित हुए थे, पर वो ठीक हो गए

हेल्थ रिपोर्टर | भोपाल

कोरोना का नया डेल्टा प्लस वैरिएंट धीरे-धीरे संक्रमण फैला रहा है। देश के चार राज्यों मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और कर्नाटक में इस वैरिएंट के कुल 43 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। ये मामले 45 हजार से ज्यादा सैंपल की जांच में पकड़ में आए हैं। इनके संपर्क में आए ज्यादातर लोगों को ट्रैस कर जांच की गई है, जो निगेटिव मिले हैं। मप्र में अब तक 5 संक्रमितों और एक महिला की मौत की पुष्टि हुई है। ये मौत उज्जैन में हुई है। कलेक्टर आशीष सिंह के मुताबिक 59 वर्षीय यह महिला 17 मई को संक्रमित मिली थी। उन्हें वैक्सीन नहीं लगी थी, 23 मई को उनकी मौत के बाद सैंपल जांच के लिए भोपाल भेजे गए थे। अब जाकर उनके डेल्टा प्लस वैरिएंट से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। जबकि उनके पति भी पॉजिटिव थे, उन्हें वैक्सीन लगी थी, इसलिए वे स्वस्थ हो गए। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग के मुताबिक नए वैरिएंट के 5 में से चार संक्रमित स्वस्थ हो चुके हैं। इन चारों को कोरोना का टीका लगा था। इस मामले में पूरे प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं। इन मरीजों के संपर्क में जितने भी लोग आए थे, उनकी जांच में कोई भी पॉजिटिव नहीं मिला है।

देश में 45 हजार नमूनों की जांच, मप्र सहित 4 राज्यों को सतर्क रहने के निर्देश

नन्हो को खतरा... कालापीपल की दो साल की बच्ची में भी संक्रमण

नेशनल डिसीज कंट्रोल प्रोग्राम की रिपोर्ट के मुताबिक भोपाल की एक 22 वर्षीय महिला और कालापीपल की 2 साल की बच्ची के सैंपल में नया वैरिएंट मिला है। दिन में खबर चल रही थी कि यह बच्ची भोपाल की है, लेकिन सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी ने इससे इनकार किया। उन्होंने बताया कि बच्ची कोरोना जांच भोपाल में हुई, जबकि वह रहने वाली कालापीपल की है। जबकि 22 वर्षीय महिला रायसेन की है, जो अब स्वस्थ हो चुकी है।

अब आगे क्या : सैंपल का रैंडम जीनोम सिक्वेंसिंग टेस्ट होगा

प्रदेश में डेल्टा प्लस वैरिएंट का संक्रमण रोकने के लिए मप्र सरकार अब कोविड मरीजों के सैंपल की रैंडम जीनोम सिक्वेंसिंग जांच कराई जाएगी। इसके लिए इंट्रीग्रेटिड डिसीज सर्विलांस प्रोग्राम (आईडीएसपी) के तहत सर्विलांस सैंपलिंग कराएंगे। 25 जून को भोपाल के 15 कोविड पॉजिटिव मरीजों के नमूने जीनोम सिक्वेंसिंग टेस्ट के लिए दिल्ली भेजे जाएंगे। इसके लिए स्वास्थ्य संचालनालय और एनएचएम गुरुवार को गाइडलाइन जारी करेगा। अशोकनगर, कालापीपल और रायसेन में तीन मरीज मई में मिले थे। ये अभी स्वस्थ हैं।

शिवपुरी की चार मौतों पर सवाल... बीते शनिवार को शिवपुरी के सीएमएचओ डॉ. एएल शर्मा ने कहा था कि जिले में डेल्टा+ वैरिएंट से चार मौतें हुई हैं। बता दें कि इन मौतों को शासन ने अब तक नहीं स्वीकारा है।

बेंगलुरु में मरीज का इलाज हो रहा... कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि बेंगलुरु में मिले डेल्टा प्लस के मरीज का इलाज चल रहा है, जबकि मैसूरु में मिले मरीज में कोई लक्षण नहीं हैं। उसे होम आइसोलेट किया गया है।

उपग्रह 24/06/2021

डामरीकरण के नाम पर पानी की तरह जनता का पैसा बहाता नगर निगम

त्रिवेणी रोड ने खोली पोल

रतलाम। केवल एक महीने में ही त्रिवेणी मार्ग पर बनी सड़क की गुणवत्ता जवाब दे गई। इसकी खबरें सामने आई, तो कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने दो सदस्यीय समिति गठित कर उसे जांच के निर्देश दिए है। नगर निगम द्वारा त्रिवेणी रोड के अलावा नाहरपुरा गली सहित अन्य स्थानों पर भी डामरीकरण किया गया है, जिसकी गुणवत्ता भी जल्द सामने आ जाएगी। निगम का अमला पानी की तरह जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा बहा रहा है। इसके उदाहरण कई जगह पहले भी सामने आ चुके हैं। नागरिक इस तरह से सड़क निर्माण कार्य को नगर निगम द्वारा धन को धूरो (धूल) करना कह रहे हैं।

त्रिवेणी रोड पर घटिया डामरीकरण की जांच के लिए जो समिति बनाई गई है, उसमें लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री दीपेश गुप्ता तथा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के कार्यपालन यंत्री अनूप मिश्रा लिए गए हैं। समिति को सड़क निर्माण के कार्य में गुणवत्ता की जांच कर विस्तृत प्रतिवेदन कलेक्टर को देना है। गौरतलब है कि नगर निगम द्वारा मुक्तिधाम से त्रिवेणी गेट के बीच एक महीने पहले ही डामर की सड़क बनाई गई है। मात्र दो दिन की बारिश में यह सड़क उखड़ना शुरू हो गई, तो प्रशासन जागा। मीडिया में खबरें आने पर कलेक्टर ने जांच समिति गठित कर उसे 7 दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर के इस कदम के बाद नगर निगम के जिम्मेदारों में हड़कंप है, क्योंकि वे ऐसी सड़कें ही बनाते रहे हैं। इनसे सड़क बनाने का सिलसिला चलता रहता है। कोई भी सड़क लंबे समय तक नहीं टिकती और समय निकलते ही उसे फिर बनाने की मांग उठ जाती है।

निगम अमला इसके अलावा भी कोई काम योजनाबद्ध तरीके से नहीं करता। न्यूरोड हो, अथवा घांस बाजार-चौमुखीपुल सभी जगह नालों में बड़े पाइप डालने के नाम पर बनी-बनाई सड़क और सीमेंट कांक्रीट को खोद दिया गया है। अजंता टाकीज मार्ग और शास्त्री नगर तरफ जाने वाले मार्ग पर नालों को व्यवस्थित करने के नाम पर इतनी बार खुदाई और निर्माण हुए हैं कि शहरवासी इन्हें देखकर उब गए थे। यदि योजना बनाकर पहले ही बड़ा पाइप डलवा दिया जाता, तो एक बार में ही समस्या का समाधान हो जाता, लेकिन नगर निगम जब भी कोई समस्या दूर करता है, तो पहले नई समस्या की व्यवस्था कर देता है। इससे निगम अमले की नीति और नियत दोनों का खुलासा हो रहा है।

स्वदेश 24/06/2021

विवाह समारोह में भी टीका लगाने वाले को ही मिलेगी अनुमति

कलेक्टर ने समय सीमा पत्रों की बैठक में दिए निर्देश

रतलाम ● स्वदेश समाचार

कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में सभी आहरण संवितरण अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके कार्यालय के सभी अधिकारी, कर्मचारी टीकाकरण करवाकर कोरोना से सुरक्षित हो जाएं। यदि किसी कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा टीकाकरण नहीं करवाया गया है तो उस कार्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों को सैलरी नहीं मिलेगी। सभी डीडीओ इस आशय का प्रमाण-पत्र देंगे।

कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि शादी विवाह आयोजन की परमिशन में एसडीएम यह ध्यान रखें कि सम्मिलित होने वाले सभी मेहमान टीका लगवा चुके हो अन्यथा परमिशन नहीं दी जाएगी। टीकाकरण अभियान की आगामी दिनों की तैयारियों की समीक्षा भी कलेक्टर द्वारा की गई। शिक्षा विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि शिक्षकों के टीकाकरण हेतु एसडीएम से चर्चा कर कैंप लगवाएं। कलेक्टर ने सीएमएचओ को निर्देशित किया कि कोरोना की तीसरी लहर आने की स्थिति में जिले के शासकीय चिकित्सालयों में बच्चों के उपचार के समुचित प्रबंधन एवं व्यवस्थाओं हेतु विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

10-10 दुकानों की चेकिंग करें

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर ने कहा कि किसान कल्याण कृषि विकास विभाग तथा राजस्व विभाग के द्वारा निराकरण की प्रगति ठीक नहीं है, दोनों विभाग ध्यान दें। उचित मूल्य की दुकानों पर गरीबों को मिलने वाले राशन वितरण की समीक्षा के दौरान कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि जिले के सभी एसडीएम पांच-पांच दुकानों की चेकिंग रेंडमली करें। इसके अलावा तहसीलदार तथा जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी 10-10 दुकानों की चेकिंग करें। जनपद पंचायत सैलाना के ग्राम खाकराखुर्द में पानी की समस्या की शिकायत निराकरण के लिए सैलाना जनपद सीईओ को निर्देशित किया कि वह स्वयं जाकर गांव में देखकर आए कि ग्रामीणों को पानी मिल रहा है अथवा नहीं और रिपोर्ट प्रस्तुत करें। शासकीय विभागों में कोरोना से मृत्यु की दशा में अनुकंपा नियुक्ति दिलवाने के लिए कलेक्टर द्वारा अधिकारियों को जानकारी देने के निर्देश दिए गए। स्वदेश

वर्षों से उपेक्षित अमृत सागर तालाब का अब होगा उद्धार

अमृत सागर उद्धार के लिए बनी अंतर्विभागीय समिति

रतलाम ● स्वदेश समाचार

रतलाम के प्राचीनतम स्थानों में से अमृत सागर तालाब भी एक प्राचीन स्थल है, जो राजवंश की विभिन्न गतिविधियों का केंद्र रहा है और इसके आस-पास का क्षेत्र तपोस्थलीय के रूप में जाना जाता था। गढ़ कैलाश जैसे अनेक प्राचीनतम मंदिर इसके पास है और अनेक ऐतिहासिक स्थल भी है जो समय के साथ दफन भी हो गए है। यह तालाब वर्षों उपेक्षित होने के कारण गंदगी से सराबोर हो चुका है। इस तालाब के उद्धार के लिए राज्यशासन ने अंतर्विभागीय समिति बनाई है जिससे अब इस तालाब का उद्धार हो सकेगा।

राज्य शासन द्वारा अमृत सागर तालाब मध्यप्रदेश के संरक्षण, संवर्धन, उन्नयन एवं समेकित प्रबंधन परियोजना की समीक्षा किए जाने हेतु अंतर्विभागीय समिति का गठन किया गया है। इस समिति में अपर मुख्य सचिव मध्यप्रदेश शासन, पर्यावरण विभाग को अध्यक्ष, प्रमुख सचिव मध्यप्रदेश शासन, वित्त विभाग, प्रमुख सचिव मध्यप्रदेश शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, आयुक्त संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, आयुक्त नगर पालिका निगम रतलाम को सदस्य के रूप में तथा कार्यपालन संचालक पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन भोपाल को संयोजक नामांकित किया गया है।

रमणिक स्थल

चांदनीचौक से होकर त्रिपोलिया गेट के रास्ते अमृत सागर तालाब जाते है। त्रिपोलिया गेट से निकलते है एक बड़े तालाब के दर्शन होते है जो एक समय में काफी प्रसिद्ध तालाब कहा जाता था और यह रमणिक स्थल भी था, लेकिन समय के साथ यह तालाब कचरा अड्डा बन गया और मच्छर उत्पादित केंद्र भी। सारे तालाब में कई बार जलकुंभी की सफाई भी की, गाद भी निकाली गई, लेकिन जलकुंभी रूपी हरियाली चादर को कभी भी नहीं हटाया जा सका। आज भी यही स्थिति है। अमृत सागर तालाब के पास नगर निगम ने एक उद्यान भी विकसित किया था, जिसमें लाखों रुपए के संसाधन बगीचे में उपलब्ध करवाए गए थे, ताकि बच्चों के मनोरंजन के लिए उपयुक्त हो सके, लेकिन तालाब से उठने वाली गंदगी और मच्छरों के प्रकोप के कारण यह बगीचा उजाड़ हो गया।

तालाब में गंदगी की भरमार

इस इलाके में रहने वाले लोग गर्मी के दिनों में काफी परेशान होते है, क्योंकि तालाब में गंदगी के कारण मच्छर का संगीत देखा और सुना जाता है। कई सामाजिक संस्थाओं ने प्रयास किया कि अमृत सागर का उद्धार हो और यह पर्यटन स्थल का रूप ले, लेकिन कई कलेक्टर आए चले गए, महापौर आए चले गए, योजनाएं बनी, लेकिन लाल फीते में बंद होकर रह गई। ऐसा नहीं है कि इसके उद्धार के प्रयास नहीं हुए, प्रस्ताव शासन को भेजे गए, अब कहीं जाकर फाइलों में बंद प्रस्ताव खुले है। यदि समय रहते इस ओर ध्यान दिया गया और सत्ता में बैठे हमारे जनप्रतिनिधि के सार्थक प्रयास रहे तो इसका उद्धार अब निश्चित होगा।

स्वदेश

(18)

नईदुनिया 24/06/2021

टीका लगवाने का उत्साह, केंद्रों पर लगी लोगों की भीड़

महा अभियान : दूसरे दिन 26 केंद्रों पर 19 हजार 283 लोगों को लगाया गया सुरक्षा कवच

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना वैक्सीनेशन महाअभियान में 30 जून तक कुल 1.50 लाख लोगों को टीका लगाने के लक्ष्य में दूसरे सत्र में बुधवार को 17920 के लक्ष्य पर 107.61 प्रतिशत टीकाकरण कर 19283 लोगों को टीके लगाए गए। दो दिन में कुल 57425 लोगों को टीका लगाया गया है। अंचल में टीका लगाने का उत्साह इस कदर था कि सुबह से लोग केंद्रों पर उमड़े और दोपहर तक वैक्सीन खत्म हो गई। दो सत्र में कुल लक्ष्य का 38.28 प्रतिशत वैक्सीनेशन किया जा चुका है।

दूसरे दिन के लक्ष्य के मान से सर्वाधिक टीके आलोट व रतलाम ब्लाक में लगे। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के कई सेंटरों पर दोपहर में ही वैक्सीन खत्म हो गई। तय संख्या के मान से टोकन वितरण के बाद केंद्र पर आए लोगों को वापस जाना पड़ा। विरियाखेड़ी में सेंटर पर वैक्सीन सुबह तय समय पर नहीं पहुंचने से लोगों को इंतजार करना पड़ा। शहर में केंद्रों की संख्या भी कम की गई है। पहले दिन जहां 52 केंद्रों पर टीकाकरण किया गया था वहीं बुधवार को 26 केंद्र पर टीकाकरण किया गया। महाअभियान में पहले दिन के लिए कुल 45 हजार वैक्सीन मिली थी, इसमें से 38142 टीके लगा दिए गए थे। शेष बचे सात हजार और मंगलवार को आपूर्ति के बाद बुधवार को वैक्सीनेशन किया गया।

ज्योति कान्वेंट स्कूल केंद्र पर लोगों की भीड़ लगी रही। ● नईदुनिया

महाअभियान के दो दिन में टीकाकरण की स्थिति

ब्लाक	कुल लक्ष्य	टीके लगे	18 से 44 वर्ष	45 से अधिक	प्रतिशत
आलोट	20000	7321	5631	1689	36.81
बाजना	10000	2753	2177	574	27.53
सैलाना	10000	3940	3085	854	39.40
जावरा	20000	7733	6128	1603	38.67
पिपलौदा	10000	4507	3317	1189	45.07
रतलाम ग्रामीण	20000	9994	7041	2950	49.97
रतलाम शहर	60000	21177	18093	3084	35.30

शहर में आज विधायक सभागृह पर मेगा कैंप

गुरुवार को रतलाम शहर में बरबड़ स्थित विधायक सभागृह पर वैक्सीनेशन मेगा कैंप आयोजित किया जाएगा। एसडीएम रतलाम शहर अभिषेक गेहलोत ने बताया कि गुरुवार को शहर में अन्य किसी स्थान पर वैक्सीनेशन कैंप नहीं लगेगा। विधायक सभागृह पर पहला डोज व डीआरएम आफिस दो बत्ती पर पूर्ववत दूसरा डोज लगाया जाएगा।

डिप्टी कलेक्टर वास्कले बाजना की प्रभारी नियुक्त

कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने वैक्सीनेशन महाभियान में डिप्टी कलेक्टर मनीषा वास्कले (8989038931) को आगामी आदेश तक विकासखंड बाजना के लिए वैक्सीनेशन प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है। बाजना में टीकाकरण की प्रगति धीमी चलने से कलेक्टर द्वारा वहां विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

दूसरे सत्र में सैलाना को छोड़कर सभी ब्लाक में लक्ष्य से ज्यादा टीकाकरण

21 जून से शुरू हुए महाअभियान में बुधवार को दूसरे सत्र में आलोट में 2000 के लक्ष्य पर 2206, बाजना में 1230 के लक्ष्य पर 1307, जावरा में 2300 पर 2444, पिपलौदा में 1000 पर 1088, रतलाम ग्रामीण में 3040 पर 3259 व रतलाम शहर में 7050 के लक्ष्य पर 7803 लोगों को टीके लगाए गए। सैलाना ब्लाक में 1300 के लक्ष्य से कम 1176 को ही टीका लगाया गया।

जिले में टीकाकरण की स्थिति

कुल टीके लगे	313188
पहला डोज	272928

सरवन में 100 लोगों को लगे टीके

सरवन। यहां 18 प्लस वाले 70 और से 45 प्लस वाले 30 लोगों को वैक्सीन लगाई गई। सेक्टर प्रभारी एसएए नकवी, नोडल अधिकारी एसआर बोरीवाल, क्षेत्रीय पटवारी कमलेश राठौड़, आदि मौजूद रहे।

रानीसिंग में दो घंटे में डोज खत्म

रानीसिंग। ग्राम पंचायत भवन में 110 लोगों को टीके लगाए गए। सुबह 11 बजे वैक्सीन खत्म हो गई। कई ग्रामीणों को बिना वैक्सीन लगवाए ही वापस जाना पड़ा। पटवारी ए. खान0, सुपरवाइजर समरथ आदि उपस्थित रहे। प्राथमिक शाला तंबोलिया में वैक्सीनेशन का शुभारंभ हुआ। दीपिका पोरवाल व अनीता पोरवाल को पहला टीका लगाया गया। यहां 88 लोगों को टीके लगाए गए। ग्राम प्रधान जमनालाल डोडियार, सचिव मुकेश गामड़, सहायक सचिव गणेश मईड़ा, जन अभियान परिषद् के कोरोना वालेंटियर मुकेश पोरवाल, दिनेश पोरवाल, मनोहर पोरवाल, महेश पोरवाल, राकेश पोरवाल आदि उपस्थित रहे।

रतागढ़खेड़ा में 20 मिनट बंद रहा टीकाकरण

सिमलावदा के टीकाकरण केंद्र पर उमड़ी भीड़ से शारीरिक दूरी की धज्जियां उड़ गई। ● नईदुनिया

सिमलावदा। समीपस्थ ग्राम रतागढ़खेड़ा के केंद्र पर बुधवार को कंप्यूटर आपरेटर टीकाकरण का कार्य बीच में ही छोड़ कर चला गया। इससे टीका लगवाने पहुंचे ग्रामीणों का पंजीयन नहीं हो पाया। करीब 20 मिनट तक टीकाकरण कार्य बाधित रहा। ग्राम प्रधान दरबारसिंह राठौर व सचिव रतनलाल कटारिया द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दी गई। 20 मिनट बाद आपरेटर ने केंद्र पहुंचकर पंजीयन शुरू किया। जानकारी के अनुसार आपरेटर व टीका लगवाने पहुंचे एक वृद्ध के बीच किसी बात को लेकर कहा सुनी हो गई थी। इसके बाद आपरेटर काम बंद कर चला गया था। यहां 18 प्लस के 150 व 45 प्लस के 70 लोगों का टीकाकरण किया गया। सिमलावदा ग्राम पंचायत भवन पर टीकाकरण के दौरान शारीरिक दूरी का ध्यान नहीं रखा गया। केंद्र पर 45 प्लस के 70 व 18 प्लस के 150 डोज आए थे, जो कम पड़ गए। दोपहर दो बजे तक सभी डोज खत्म हो गए।

20 केंद्रों पर 2200 लोगों को टीके

आलोट। टीकाकरण महा अभियान के दूसरे दिन विकासखंड में 20 केंद्रों पर 2200 लोगों को टीके लगाए गए। अधिकांश केंद्र पर 100-100 लोगों को टीके लगे। सीमित संख्या में टीके होने से कई लोगों को निराश भी लौटना पड़ा। विधायक मनोज चावला ने शासन-प्रशासन से पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध करवाने की मांग की है।

बैरंग लौटे कई ग्रामीण

सुखेड़ा। यहां सुबह नौ बजे प्रारंभ हुआ टीकाकरण बारह बजे तक सिर्फ तीन घंटे में वैक्सीन खत्म होने पर बंद करना पड़ा। डोज खत्म होने पर टीका लगवाने आए लोगों को लौटना पड़ा।

समय से पहले ही लक्ष्य पूरा

बाजना। महाअभियान के तहत तहसील क्षेत्र में 600 टीके का लक्ष्य दोपहर 12 बजे से पहले ही पूरा हो गया। तहसीलदार बीएस ठाकुर ने कहा की उक्त केंद्रों पर आगामी दिनों में पुनः कैंप लगाया जाएगा।

निगम क्षतिग्रस्त पुलियाओं पर लगाएगा रेडियम

रतलाम। अति वृष्टि के दौरान उत्पन्न होने वाली संभावित परिस्थितियों से निपटने एवं आपदा प्रबंधन के लिए निगम स्तर पर की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने निगम मे विभिन्न विभागों के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को पाबंद किया है। निगम आयुक्त श्री झारिया द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत् जीर्ण-शीर्ण भवनों को चिन्हित किया जाकर भवन स्वामी को नोटिस दिये जाने तथा क्षतिग्रस्त पुलियाओं को चिन्हित कर रेडियम लगाने के निर्देश के साथ जल प्लावन रोकने तथा पानी के बहाव में अवरोध उत्पन्न करने वाले नाले एवं नालियों के अतिक्रमण चिन्हित कर हटाये जाने तथा शहर के नाले नालियों एवं नाल के चेम्बरों पर लगे ढक्कन व फर्सी इत्यादि खुली न रहे इसकी व्यवस्था किये जाने की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग एवं कर्मशाला विभाग को सौंपी है। अति वृष्टि हेतु 8 आश्रय स्थल बनाये जाकर कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। आपदा प्रबंधन के उपयोग में आने वाली आवश्यक सामग्री एवं संसाधनों का आंकलन कर उसके भण्डारण की जिम्मेदारी भण्डार रक्षक को सौंपी है। साथ ही वर्षा ऋतु में शुद्ध जल की उपलब्धता एवं वितरण के लिये आवश्यक रसायनों की व्यवस्था एवं उपलब्धता तथा पानी निकालने के लिये पम्प आदि की व्यवस्था किये जाने की जिम्मेदारी प्रभारी कार्यपालन यंत्री जलप्रदाय को सौंपी है। साथ ही आपदा की स्थिति में फायर बिग्रेड दल को सुलभ रखना, तैराक की व्यवस्था करने सहित निगम के अन्य वाहनों को कार्यशील अवस्था में रखने के निर्देश संबंधितों को दिये। २५।५।२१

वाहनों पर लगाए मैं वैक्सीनेटेड हूं के स्टीकर

रतलाम. 26 वैक्सीनेशन सेंटरों की व्यवस्थाओं का जायजा निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने एसडीएम अभिषेक गेहलोत के साथ लिया व सोशल डिस्टेंसिंग के लिए निर्देशित किया। निगम आयुक्त ने दो पहिया वाहनों के चालकों का वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट चेक कर "मैं वैक्सीनेटेड हूँ" के स्टीकर लगाए ताकि अन्य नागरिक भी वैक्सीनेश के लिए जागरूक हों।

नईदुनिया 24/06/2021

नीचे वाले हिस्से में दरार आई, कोई जनहानि नही, जर्जर हो चुकी है बिल्डिंग

टीआइटी बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से में छत गिरी

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। बारिश की शुरुआत के साथ ही जर्जर मकानों के गिरने की घटनाएं होने लगी हैं। बुधवार शाम करीब छह बजे गांधीनगर स्थित टीआइटी बिल्डिंग में ऊपरी हिस्से में छत गिर गई। इससे नीचे वाले हिस्से में भी दरार आ गई। इस बिल्डिंग में दो परिवार रह रहे हैं। भवन का जो हिस्सा गिरा वो खाली होने से जनहानि टल गई।

टीआइटी की इस बिल्डिंग में चार फ्लैट में ऊपर के दो फ्लैट खाली व जर्जर हैं। छत गिरने की सूचना पर नगर निगम उपयंत्री एमके जैन, मनीष तिवारी सहित जोन प्रभारी किरण चौहान, कांग्रेस नेता हितेश पैमाल व अन्य अमला मौके पर पहुंचा। बिल्डिंग के खतरनाक होने की बैनर लगाकर रहवासियों को भवन खाली करने के लिए कहा गया। उपयंत्री मनीष तिवारी ने बताया कि निगम द्वारा इस भवन

टीआइटी बिल्डिंग में ऊपरी हिस्से में गिरी छत। • नईदुनिया

को जर्जर कर संबंधितों को पहले भी कई बार नोटिस दिया जा चुका है।

गत वर्ष दो हादसों में पांच लोगों की मौत हुई थी

मालूम हो कि 25 जून 2020 को जवाहरनगर स्थित चार बत्ती चौराहे के पास जर्जर मकान की छत गिरने से मकान में रह रहे मोहन पुत्र शांतिलाल कहार, पत्नी शर्मिला और पुत्र राजवीर उर्फ कान्हा एवं पुत्री इशिका की मौत हो गई थी, जबकि 11 सितंबर 2020 को धानमंडी बाजार क्षेत्र की लंबी गली स्थित पुराने दो मंजिला मकान का छज्जा गिरने से घायल 42 वर्षीय अनीता पत्नी भगवतीलाल माली ने अस्पताल में दम तोड़ दिया था।

शहर में 130 से अधिक जर्जर भवन

शहर के जर्जर भवनों में नगर निगम स्वामित्व के मार्केट व व्यावसायिक भवन भी शामिल हैं। करीब 130 भवनों को पूर्व में चिन्हित कर खतरनाक घोषित किया गया था, लेकिन जर्जर मकान नहीं गिराने से लोग उसी में निवास कर रहे हैं। कई मामलों में कोर्ट में मामला होने से भी कार्रवाई नहीं हो पाई। नगर निगम के मार्केट में भी छतों से प्लास्टर गिरना आम बात है। धानमंडी बाजार, सैलाना बस स्टैंड मार्केट, न्यूरोड मार्केट, दो बत्ती स्थित कोठारी मार्केट जर्जर हो चुका है।

स्वदेश 24/06/2021

प्रदेश में कोरोना टीकाकरण महाअभियान आज से, मुख्यमंत्री ने की सहयोग की अपील

आज ऐसा माहौल बना दें कि सभी पात्र लगवाएं टीका : शिवराज सिंह

- 7 हजार केंद्रों पर 10 लाख लोगों को लगेगा कोरोना का टीका
- टीकाकरण के लिए मतदान जैसी तैयारी, 35 हजार कर्मचारी रहेंगे तैनात

स्वदेश ब्यूरो, भोपाल

कल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है। कल से ही प्रदेश में कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीन लगाने का महा अभियान भी शुरू होगा। प्रदेश में 7 हजार केंद्रों पर दस लाख लोगों को टीका लगाने का लक्ष्य तय किया है। मुख्यमंत्री ने 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के सभी प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे इस महा अभियान का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि हम ऐसा माहौल बना दें कि कोई भी बिना टीका लगाए न रहे। श्री चौहान ने यह बात आज योग दिवस एवं टीकाकरण महा अभियान की पूर्व संध्या पर प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि अगर वैक्सीन लगवाने के बाद एक दिन यदि हल्का बुखार आ जाये, तो डरने की जरूरत नहीं है। हमारे युवा साथी सावधानी रखते हुए निकलें और जनता को वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित करें। इससे बड़ा पुण्य का कार्य और कोई नहीं है। हम एक ऐसा वातावरण बना दें कि कोई भी पात्र व्यक्ति वैक्सीन लगवाए बिना न रहे।

35 हजार कर्मचारी रहेंगे तैनात

हम इससे संभावित तीसरी लहर पर भी काबू पा लेंगे। श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में 19 लाख वैक्सीन के साथ यह महा अभियान शुरू होगा। इसके लिए प्रदेशभर में सात हजार केंद्र बनाए गए हैं। मेरा सभी से अनुरोध है कि इस महाअभियान को सफल बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। मंत्रीद्वय ने कहा कि प्रत्येक टीकाकरण केंद्र पर पांच सदस्यीय दल रहेगा। इस तरह 35 हजार कर्मचारी एक साथ टीकाकरण करेंगे, जो रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि अभियान की निगरानी और समन्वय के लिए चुनाव जैसी तैयारी है। 1500 जोनल व सेक्टर अधिकारी बनाए हैं। प्रत्येक अधिकारी चार-पांच केंद्रों का दौरा करेगा और हर घंटे की रिपोर्ट तैयार होगी। अभियान पर नजर रखने के लिए हर जिले में एक कंट्रोल रूम बनाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने दिव्यांग और बुजुर्गों को टीकाकरण के लिए केंद्रों तक लाने और वापस छोड़ने की व्यवस्था की है। ऐसे ही रिएक्शन के मामलों में नजदीकी बड़े केंद्रों तक पहुंचाने की भी व्यवस्था बनाई है। सारंग ने कहा कि प्रदेश में ऐसा कोई मामला अब तक सामने नहीं आया है, पर सतर्कता के तौर पर व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री करेंगे जागरूक

श्री सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री दतिया स्थित पीतांबरा पीठ से ग्राम परासरी जाएंगे। दोपहर में भोपाल स्थित अन्न नगर बस्ती में घूमेंगे और शाम को अपने विधानसभा क्षेत्र बुधनी के ग्राम पिपलानी में लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करेंगे। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा दतिया, लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव सागर, भूपेंद्र सिंह सीहोर, कमल पटेल हरदा, विश्वास सारंग भोपाल और डॉ. प्रभुराम चौधरी विदिशा रायसेन, सहित अन्य मंत्री अपने प्रभार या गृह जिलों में व्यवस्था संभालेंगे।

मुख्यमंत्री दतिया से करेंगे शुभारंभ

इधर, प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ.प्रभुराम चौधरी ने एक संयुक्त वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि टीकाकरण अभियान सुबह दस बजे महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण के साथ शुरू होगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान दतिया स्थित मां पीतांबरा पीठ में माता के दर्शन कर इसकी औपचारिक शुरुआत करेंगे। सरकार ने एक दिन में 10 लाख लोगों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा है और अभियान की निगरानी के लिए चुनाव जैसे प्रबंध किए गए हैं। इसके लिए 19 लाख डोज (टीका) आ चुके हैं, जो जिलों में भेजे गए हैं।

उपग्रह 24/06/2021

मिनी स्मार्ट सिटी योजना के काम भी अव्यवस्था के शिकार

रतलाम। नगर निगम के माध्यम से होने वाले अन्य कार्यों की तरह शहर में मिनी स्मार्ट सिटी योजना के काम भी अव्यवस्था के शिकार हो गए हैं। एक तरफ शहरवासी इन कामों को करने वाली आर्यवृत्त प्रोजेक्ट व डेवलपर्स की सड़कों के निर्माण में धीमी गति होने से परेशान हैं। दूसरी तरफ बारिश में भी कंपनी काम करने जा रही है, जिससे उसके कार्यों की गुणवत्ता पर सवालिया निशान लग गए हैं।

हर साल शासन स्तर पर 15 जून के बाद पूरे मानसून में डामरीकृत सड़क के निर्माण पर रोक लगती रही है। बारिश में निर्माण के समय डामर के ठंडे होने के कारण सड़क की मजबूती नहीं रहती इसीलिए डामर की सड़कें तेज गर्मी में बनाई जाती है। बीते सप्ताह में शहर सहित पूरे जिले में मानसून की बारिश हो चुकी है। लेकिन इसी दौरान सेन्ट जोसेफ कान्वेंट स्कूल से आनंद कालोनी पुलिया तक 280 मीटर लंबी सड़क का निर्माण शुरू किया गया। ये सड़क करीब 14 मीटर चौड़ी बनेगी। इसके लिए क्षेत्र में दो महीने पहले वर्तमान सड़क के दोनों ओर गिट्टी डाली गई थी। बीते सप्ताह समतलीकरण के बाद बारिश के दौरान ही डामरीकरण कर दिया गया। इस कार्य पर आपत्ति भी आई, लेकिन नगर निगम के अफसरों ने उसे गंभीरता से नहीं लिया और ठेकेदार को इस तरह के निर्माण कार्य करने से रोका नहीं।

इसी प्रकार शास्त्री नगर मुख्य मार्ग व ऊंकाला रोड पर भी इसी कंपनी द्वारा कार्य किया जा रहा है। लेकिन वहां भी धीमी गति के कारण निर्माण कार्य पूरे नहीं हो रहे है। निगम प्रशासन द्वारा कई बार चेतावनी देने के बाद भी कोई सुधार नहीं हो रहा है। पिछले साल तत्कालीन कलेक्टर रुचिका चौहान ने मौके पर पहुंचकर ठेकेदार को चेतावनी दी थी। इसके बाद भी कार्य नहीं सुधरा, तो अनुबंध निरस्त करके ठेकेदार का नाम काली सूची में दर्ज करने की अनुशंसा भी की गई। लेकिन बाद में मामला सुलझाकर कंपनी फिर काम में लग गई। इन दिनों कंपनी काम जल्दी पूरा करने के लिए बारिश में ही डामरीकरण कर रही है।

सीवरेज और पाइप लाइन से कई सड़कें क्षतिग्रस्त

शहर में सीवरेज और पानी की पाइप लाइन डालने के लिए खोदी गई कई सड़कें क्षतिग्रस्त हैं। इन सड़कों पर ठेकेदार ने शर्तों के अनुसार कुछ जगह भराव किया है, लेकिन गुणवत्ताहीन होने से ये भराव धंस रहा है। इससे जगह-जगह गड्ढे और कीचड़ का आलम है। सड़क का संतुलन कई जगह बिगड़ गया है। इससे आए दिन वाहन दुर्घटनाएं हो रही हैं। कुल मिलाकर सड़कों की स्थिति रखरखाव नहीं होने और अधिक दबाव होने से वैसे ही खराब है और अब ठेकेदार कभी बारिश में तो कभी घटिया नवनिर्माण कर रहे हैं। इससे सुविधा के नाम पर शहरवासियों को हमेशा दुविधा ही मिलती है।

(23) प्रसारण/ 24/06/2021

कलेक्टर ने समय सीमा पत्रों की बैठक में दिए निर्देश

वैक्सीनेशन नहीं करवाया तो सैलरी नहीं मिलेगी

प्रसारण न्यूज़ * रतलाम

कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने मंगलवार शाम आयोजित समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में सभी आहरण संवितरण अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके कार्यालय के सभी अधिकारी, कर्मचारी वैक्सीनेशन करवाकर कोरोना से सुरक्षित हो जाएं। यदि किसी कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा वैक्सीनेशन नहीं करवाया गया है तो उस कार्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों को सैलरी नहीं मिलेगी। सभी डीडीओ इस आशय का प्रमाण पत्र देंगे। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती मीनाक्षीसिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती जमुना भिड़े आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि शादी विवाह आयोजन की परमिशन में एसडीएम यह ध्यान रखें कि सम्मिलित होने वाले सभी मेहमान वैक्सीन लगवा चुके हो अन्यथा परमिशन नहीं दी जाएगी। वैक्सीनेशन अभियान की आगामी दिनों की तैयारियों की समीक्षा भी कलेक्टर द्वारा की गई। शिक्षा विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि शिक्षकों के वैक्सीनेशन हेतु एसडीएम से चर्चा कर कैंप लगवाएं।

कलेक्टर ने सीएमएचओ को निर्देशित किया कि कोरोना की तीसरी लहर आने की स्थिति में जिले के शासकीय चिकित्सालयों में बच्चों के उपचार के समुचित प्रबंधन एवं व्यवस्थाओं हेतु विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर ने कहा कि किसान कल्याण कृषि विकास विभाग तथा राजस्व विभाग के द्वारा निराकरण की प्रगति ठीक नहीं है, दोनों विभाग ध्यान दें। उचित मूल्य की दुकानों पर गरीबों को मिलने वाले राशन वितरण की समीक्षा के दौरान कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि जिले के सभी एसडीएम पांच-पांच दुकानों की चेकिंग रेंडमली करें। इसके अलावा तहसीलदार तथा जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी 10-10 दुकानों की चेकिंग करें। जनपद पंचायत सैलाना के ग्राम खाकराखुर्द में पानी की समस्या की शिकायत निराकरण के लिए सैलाना जनपद सीईओ को निर्देशित किया कि वह स्वयं जाकर गांव में देखकर आए कि ग्रामीणों को पानी मिल रहा है अथवा नहीं और रिपोर्ट प्रस्तुत करें। शासकीय विभागों में कोरोना से मृत्यु की दशा में अनुकंपा नियुक्ति दिलवाने के लिए कलेक्टर द्वारा अधिकारियों को जानकारी देने के निर्देश दिए गए।

वर्षा ऋतु के मद्देनजर कलेक्टर द्वारा सभी विभागों को व्यापक पौधारोपण के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर द्वारा सभी स्कूल, अस्पताल परिसरों, आदिवासी परिवारों के घरों के आसपास, तहसील परिसर, रतलाम आईटीआई परिसर इत्यादि स्थानों पर सघन पौधारोपण के निर्देश दिए। साथ ही सभी विभागों को पौधारोपण कार्य योजना प्रस्तुत करने के लिए कहा गया।

वैक्सीनेशन नहीं करवाया तो सैलरी नहीं मिलेगी : कलेक्टर

रतलाम। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने मंगलवार शाम आयोजित समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में सभी आहरण संवितरण अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके कार्यालय के सभी अधिकारी, कर्मचारी वैक्सीनेशन करवाकर कोरोना से सुरक्षित हो जाएं। यदि किसी कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा वैक्सीनेशन नहीं करवाया गया है तो उस कार्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों को सैलरी नहीं मिलेगी। सभी डीडीओ इस आशय का प्रमाण पत्र देंगे। बैठक में सीईओ जिला पंचायत मीनाक्षीसिंह, अपर कलेक्टर जमुना भिड़े आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि शादी विवाह आयोजन की परमिशन में एसडीएम यह ध्यान रखें कि सम्मिलित होने वाले सभी मेहमान वैक्सीन लगवा चुके हो अन्यथा परमिशन नहीं दी जाएगी। वैक्सीनेशन अभियान की आगामी दिनों की तैयारियों की समीक्षा भी कलेक्टर द्वारा की गई। शिक्षा विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि शिक्षकों के वैक्सीनेशन हेतु एसडीएम से चर्चा कर कैंप लगवाएं। कलेक्टर ने सीएमएचओ को निर्देशित किया कि कोरोना की तीसरी लहर आने की स्थिति में जिले के शासकीय चिकित्सालयों में बच्चों के उपचार के समुचित प्रबंधन एवं व्यवस्थाओं हेतु विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर ने कहा कि किसान कल्याण कृषि विकास विभाग तथा राजस्व विभाग के द्वारा निराकरण की प्रगति ठीक नहीं है, दोनों विभाग ध्यान दें। उचित मूल्य की दुकानों पर गरीबों को मिलने वाले राशन वितरण की समीक्षा के दौरान कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि जिले के सभी एसडीएम पांच-पांच दुकानों की चेकिंग रेंडमली करें। इसके अलावा तहसीलदार तथा जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी 10-10 दुकानों की चेकिंग करें।

दै. भास्कर 24/06/2021

सवालों में सरकार का अधूरा कवच | लोगों का दर्द बांटने के लिए सरकार ने घोषणाएं तो कर दीं, लेकिन उन्हें अमल में कैसे लाएं, अब इसके तरीके ढूंढ रही

कोरोना पीड़ितों के लिए 5 योजनाएं आईं; इनमें एक के नियम नहीं बने, 3 में सिर्फ आवेदन मिले

जान गंवाने वालों के परिवार को 1-1 लाख रु. देने वाली योजना एक महीने से कागजों में

पॉलिटिकल रिपोर्टर | भोपाल

कोरोना की दूसरी लहर के दौरान राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों और जनता के लिए 5 योजनाएं घोषित की हैं, लेकिन 2 महीने बीत चुके और इनमें से एक योजना के अब तक नियम नहीं बने, जबकि तीन में सिर्फ आवेदन आए हैं। जिन लोगों की संक्रमण से जान गई, सरकार उनके परिवारों को एक-एक लाख रु. देगी, लेकिन एक महीना बाद भी यह योजना अभी सिर्फ कागजों में ही है। इसके कोई नियम नहीं बने हैं। सिर्फ बेसहारा बच्चों के लिए बनी योजना ही ऐसी है, जिसमें 70% पीड़ितों को आर्थिक मदद मिल गई है। बता दें कि कोरोना योद्धा स्कीम में भी मार्च 2020 से लेकर अभी तक सिर्फ 38 लोगों को ही 50 लाख रुपए के हिसाब से 19 करोड़ रुपए दिए गए, लेकिन ये सभी केस पहली लहर से जुड़े थे। स्वास्थ्य विभाग ने अपने कोरोना योद्धाओं को केंद्र की प्रधानमंत्री कोरोना योद्धा स्कीम से जोड़ दिया है, जो बीमा कंपनी से वित्तपोषित है। इसमें भी करीब 48 आवेदन स्वास्थ्य विभाग के पास पहुंचे हैं। बहरहाल, कोरोना के बीच ही राज्य सरकार ने आयुष्मान कार्ड स्कीम का विस्तार किया है, जिसे मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना नाम दिया गया। इसमें जरूर 10 हजार से अधिक मरीजों का इलाज हुआ।

स्कीमों का स्कैन

38 लोगों को ही कोरोना योद्धा स्कीम में मार्च 2020 से लेकर अभी तक 50 लाख रुपए के हिसाब से 19 करोड़ रुपए दिए गए।

सिर्फ बेसहारा बच्चों की योजना में ही तेजी, अनुकंपा नियुक्ति किसी को नहीं

योजना-1

मुख्यमंत्री कोविड योद्धा कल्याण योजना

एक अप्रैल से 31 मई तक के लिए दोबारा लागू हुई। इसमें संक्रमण ड्यूटी के दौरान यदि किसी सरकारी कर्मचारी की मौत होती है तो उसके परिजन को 50 लाख रु. और अनुकंपा नियुक्ति देने का प्रावधान है। इसका नोडल विभाग राजस्व है।

- **हकीकत** : पहली लहर के 38 केस में परिजनों को 19 करोड़ दिए। दूसरी लहर में 94 आवेदन मिले।

योजना-2

मुख्यमंत्री कोविड-19 विशेष अनुग्रह योजना

1 अप्रैल से 31 मई तक के लिए लागू हुई। इसमें कोविड ड्यूटी में किसी शासकीय सेवक, संविदा, आउटसोर्स कर्मचारी, दैनिक वेतनभोगी, स्थाई कर्मी आदि की मौत होती है तो उसके परिजनों को लाभ मिलेगा। इसका नोडल विभाग वित्त है।

- **हकीकत** : ऑनलाइन आवेदन के लिए एमपी सर्विस पोर्टल पर लिंक के आदेश अभी हुए। 39 आवेदन आए।

योजना-3

मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकंपा नियुक्ति

सरकारी सेवा में काम के दौरान कोरोना से एक मार्च से लेकर 30 जून के भीतर मौत होती है तो आश्रित को अनुकंपा नियुक्ति मिलेगी। अनुकंपा नियुक्ति उसी वर्ग तीन और चार के उसी पद पर दी जाएगी, जिस पद पर दिवंगत कर्मचारी होगा। जीएडी इसका नोडल विभाग।

- **हकीकत** : जीएडी के पास सभी विभागों से सिर्फ 14 आवेदन आए हैं। नियुक्ति किसी की नहीं हुई।

योजना-4

मुख्यमंत्री कोविड - 19 बाल सेवा योजना

कोरोना संक्रमण के कारण परिवार के कमाने वाले सदस्य, माता-पिता दोनों की मृत्यु होती है तो आश्रित बालक, बालिका को शिक्षा, आर्थिक सहायता एवं खाद्य की मदद की जाएगी। बाल हितग्राही को 5 हजार रुपए प्रतिमाह मिलेंगे। सरकारी स्कूल में मुफ्त शिक्षा।

- **हकीकत** : महिला बाल विकास विभाग को 395 आवेदन में 323 पात्र मिले। 228 की सहायता मंजूर।

योजना-5

कोरोना में मृत व्यक्ति के परिवार को 1 लाख रुपए

मुख्यमंत्री ने 20 मई को घोषणा की थी कि कोरोना से मरने वाले व्यक्ति के परिवार को एक लाख रुपए की सहायता दी जाएगी। यही एक स्कीम थी, जो जनता के लिए बनी।

- **हकीकत** : एक महीना गुजरने के बाद भी अभी तक कुछ नहीं हुआ। न नियम बने, न ही आवेदन बुलाए।

दिक्कत कहां...

एक स्कीम में कलेक्टर की मुहर चाहिए, दूसरे में क्लेम का पेंच

- कोरोना योद्धा स्कीम में जब तक कलेक्टर नहीं कहेंगे, तब तक कोई भी कोरोना योद्धा नहीं माना जा सकता।
- विशेष अनुग्रह योजना में अधिकतम 5 लाख रुपए की मदद का प्रावधान है। किसी शासकीय सेवक के निधन के बाद बनने वाले क्लेम (ग्रेच्युटी और एक्सग्रेसिया) की राशि यदि पांच लाख से कम है तो शेष पैसा सरकार देगी। उदाहरण के तौर पर यदि क्लेम चार लाख रुपए बनता है तो शेष एक लाख रुपए सरकार मिलाकर मृतक के परिजन को पांच लाख रुपए देगी।
- यदि पांच लाख या इससे अधिक क्लेम है तो उसे कोई अनुग्रह राशि नहीं मिलेगी।
- इसी तरह कोरोना पॉजिटिव होने के बाद उसका निधन 60 दिन के बाद होता है तो वह स्कीम का पात्र नहीं माना जाएगा।

उपग्रह २४/०६/२०२१

छोटे-छोटे कामों में अटकी सीवरेज की योजना

रतलाम। तीन-चार सालों से शहर में चल रही सीवरेज योजना अब छोटे-छोटे कामों को लेकर अटकी है। इन कामों के पूरा होने के बाद ही शहरवासियों को पता चलेगा कि सीवरेज योजना उनके लिए कितनी उपयोगी रहेगी। सीवरेज योजना में आ रही समस्याओं को लेकर पिछले दिनों नगरीय प्रशासन विभाग ने वेबकास के स्टेट टीम लीडर उदय रोमन को रतलाम भेजा था। वे निगमायुक्त सोमनाथ झारिया के साथ सीवरेज कार्यों का निरीक्षण और वेबकास, रेलवे, सेतु निगम, नगर निगम के अधिकारियों की बैठक कर लौट गए हैं।

बताया जाता है कि सीवरेज योजना के तहत रेलवे इंस्टीट्यूट से लक्ष्मणपुरा तिराहे तक 250 मीटर, महू रोड बस स्टैंड स्थित रेलवे पुलिया के नीचे से 150 मीटर, डोसीगांव से शिव नगर औद्योगिक क्षेत्र 1700 मीटर और गोमदड़े की पुलिया से कस्तुरबा नगर तक 850 मीटर पाइप लाइन डालना शेष है। इसके लिए रेलवे को शुल्क देना पड़ेगा। रेल प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच चर्चा में भूमि उपयोग का शुल्क तय होगा। उसके बाद नगर निगम को उसकी जानकारी दी जाएगी। निगम द्वारा शुल्क जमा होने पर अनुमति मिलेगी। हालांकि नगर निगम का दावा है कि महू रोड बस स्टैंड रेलवे पुलिया लाइन के लिए करीब 61 लाख रुपये जमा हैं, लेकिन इसके बाद भी उसे अनुमति नहीं मिली है।

सुभाष नगर में प्रस्तावित ब्रिज से हाट की चौकी चौराहा तक सीवरेज लाइन डालने का कार्य भी लंबित है। सेतु निगम द्वारा उक्त क्षेत्र के भवन स्वामियों को भवन तोड़ने के लिए दो माह पूर्व ही नोटिस दिए गए हैं। यदि भवन स्वामी स्वयं अपने भवन को नहीं गिराएंगे, तो सेतु निगम द्वारा भवनों को गिराया जाएगा। सीवरेज योजना के तहत खेतलपुर में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बन गया है। इसे कुछ ही दिनों में प्रारंभ किया जा सकता है। इसके अलावा 38 क्षेत्रों के 18 हजार 900 हाउस कनेक्शन भी किए जा चुके हैं। इसलिए देखा जाए, तो बड़े-बड़े काम लगभग पूर्णता की ओर हैं, केवल छोटे-छोटे कामों के कारण सीवरेज योजना का कार्य पूरा नहीं हो पा रहा है। मूल रूप से जो कार्य बचे हैं, उनमें स्टेशन रोड मनोहर होटल गली क्षेत्र में 450 मीटर, कालिका माता एरोकेम फैक्ट्री के पीछे 200 मीटर, मंगलम् सिटी मेन रोड पर 320 मीटर, जैन कालोनी में 150 मीटर और बीआइपी रोड कलेक्टर बंगले के सामने 900 मीटर क्षेत्र में भी पाइप लाइन डालना शेष है। इसके बाद ही सीवरेज योजना पूरी हो पाएगी।

प्रसा.रा.अ. 24/06/2021

एक दिन में 17 लाख लोगों को टीका लगाने का म.प्र. का रिकार्ड वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड में शामिल

रतलाम। मध्यप्रदेश में कोविड-19 के टीकाकरण के महाअभियान में एक दिन में 16 लाख 91 हजार 967 लोगों को वैक्सीन डोज लगाने को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड ने वर्ल्ड रिकार्ड में शामिल कर लिया है। यह जानकारी वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को 22 जून को लिखे पुष्टि पत्र में दी है। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड, भारत के प्रेसीडेंट श्री संतोष शुक्ला ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को भेजे पुष्टि पत्र में कहा कि मध्यप्रदेश द्वारा टीकाकरण में बनाये गये रिकार्ड को रिकार्ड बुक में शामिल करने पर संस्था को प्रसन्नता है। पुष्टि पत्र में वर्ल्ड रिकार्ड संबंधी प्रमाण-पत्र से सम्मानित करने के लिये मुख्यमंत्री श्री चौहान की सहमति और दिनांक आदि भेजने के लिये भी अनुरोध किया है। पत्र में मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा कोविड-19 के टीकाकरण संबंधी कदमों की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ भी दी हैं।

प्रसा.रा.अ.

मेडिकल कॉलेज में 20 पेशेंट उपचाररत

रतलाम। शासकीय मेडिकल कॉलेज स्थित हॉस्पिटल मे आज की स्थिति में केवल 20 पेशेंट भर्ती है, जिनमें से 06 कोरोना पॉजिटिव है तथा शेष अन्य समस्याओं वाले है। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि आज मेडिकल कॉलेज से 1 मरीज को डिस्चार्ज किया गया तथा 2 नये मरीज भर्ती हुए। 550 बेड के अस्पताल में आईसीयू के 56 बेड में से 14 पर पेशेंट भर्ती है। एचडीयू के 172 बेड पूरी तरह रिक्त है। ऑक्सीजन बेड 180 है जिनमें से 6 पर पेशेंट भर्ती है। नॉन ऑक्सीजन बेड 142 पूरी तरह रिक्त है। हॉस्पिटल में 530 बैड्स रिक्त हैं । रेमडेसिविर की स्थिति के अनुसार टोटल रिसीव 7580, डिस्ट्रीब्यूटेड 1557, कंज्यूम्ड 5967, करंट स्टॉक 56 है। प्रसा.रा.अ.

मेडिकल कॉलेज में 20 पेशेंट उपचाररत

रतलाम। शासकीय मेडिकल कॉलेज स्थित हॉस्पिटल मे आज की स्थिति में केवल 20 पेशेंट भर्ती हैं, जिनमें से 06 कोरोना पॉजिटिव है तथा शेष अन्य समस्याओं वाले हैं। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि आज मेडिकल कॉलेज से 1 मरीज को डिस्चार्ज किया गया तथा 2 नये मरीज भर्ती हुए। 550 बेड के अस्पताल में आईसीयू के 56 बेड में से 14 पर पेशेंट भर्ती हैं। एचडीयू के 172 बेड पूरी तरह रिक्त हैं। ऑक्सीजन बेड 180 हैं जिनमें से 6 पर पेशेंट भर्ती है। नॉन ऑक्सीजन बेड 142 पूरी तरह रिक्त हैं। हॉस्पिटल में 530 बैड्स रिक्त हैं । रेमडेसिविर की स्थिति के अनुसार टोटल रिसीव 7580, डिस्ट्रीब्यूटेड 1557, कंज्यूम्ड 5967, करंट स्टॉक 56 है। प्रसा.रा.अ.

विधायक सभागृह पर आज वैक्सीनेशन

रतलाम. कोरोना वैक्सीनेशन महाअभियान के तहत 24 जून गुरुवार को रतलाम शहर में बरबड़ स्थित विधायक सभागृह पर वैक्सीनेशन मेगाकैंप आयोजित किया जाएगा। एसडीएम रतलाम शहर अभिषेक गेहलोत ने बताया कि गुरुवार को रतलाम शहर में अन्य किसी स्थान पर वैक्सीनेशन कैंप नहीं लगेगा। विधायक सभागृह पर वैक्सीनेशन का पहला डोस लगाया जाएगा। डीआरएम ऑफिस दो बत्ती पर पूर्ववत दूसरा डोस लगाया जाएगा।

पत्रिका 24/06/2021

रूप बदलता कोरोना : महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, केरल में डेल्टा प्लस के 40 केस

तीसरी लहर से पहले डेल्टा प्लस व ब्लैक फंगस का दोहरा खतरा

ब्लैक फंगस : 31,216 केस, 2,109 मौत

नई दिल्ली@पत्रिका. तीसरी लहर से पहले कोरोना ने रूप (म्यूटेशन) बदल लिया है। दूसरी लहर का सबसे कारण डेल्टा वैरिएंट अब डेल्टा प्लस होकर 60% ज्यादा संक्रामक हो गया है। 8 राज्यों में डेल्टा प्लस के अब तक 40 मामले आने के बाद केंद्र सरकार ने भी इसे चिंता का विषय करार दिया है। केंद्र ने राज्यों को एडवाइजरी भी जारी की है। कोरोना संक्रमण के बाद रिकवर हुए मरीज ब्लैक फंगस की चपेट में आए हैं। एक न्यूज चैनल के अनुसार जून के पहले पखवाड़े में देश में ब्लैक फंगस के 31216 हजार केस दर्ज हुए। इनमें से 2109 की मौत हो गई। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्लैक फंगस को नई चुनौती बता चुके हैं लेकिन सरकार की ओर से ब्लैक फंगस के ताजा आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

महामारी से बचाव

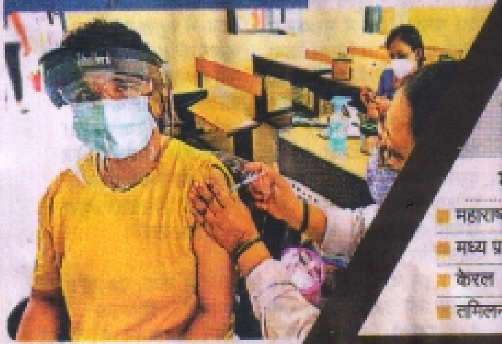

भोपाल में टीका लगाती स्वास्थ्यकर्मी।

डेल्टा प्लस

90% ब्रिटेन के नए मामलों की वजह

20% अमरीका के नए मामलों की वजह

इन देशों में भी संक्रमण: पुर्तगाल, रूस, स्विट्जरलैंड, जापान, पोलैंड, नेपाल, चीन

ब्लैक फंगस का काला साया

150% केस बढ़े गत 3 सप्ताह में

7,057 केस सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में, **609 मौतें**

महाराष्ट्र पहले तो एमपी दूसरे नंबर पर

राज्य	केस
महाराष्ट्र	21
मध्य प्रदेश	06
केरल	03
तमिलनाडु	03
कर्नाटक	02
आंध्र प्रदेश	01
पंजाब	01
जम्मू	01

(दो केस अन्य राज्यों से)

डरावना है डेल्टा, क्योंकि...

1. भारतीय जीनोमिक्स कंसोर्टियम (आइएनएसएसीओजी) के अनुसार ये ***वैरिएंट फेफड़े की कोशिकाओं*** के रिसेप्टर जा चिपकता है।
2. वायरस पर ***प्रतिरोधी तंत्र का असर*** भी कम पड़ता है।
3. निर्माताओं के दावे के बावजूद ***कोवैक्सीन और कोविशील्ड की कुशलता*** पर इस म्यूटेशन पर प्रमाणिक नहीं।

बेहद संक्रामक है

डेल्टा वैरिएंट बेहद संक्रामक है। दो हफ्ते पहले तक नए मामलों में से दस फीसदी में यह वैरिएंट पाया गया था जो अब दोगुना हो गया है। **-डॉ. एंथनी फाउसी,** वाइट हाउस के चिकित्सा सलाहकार

प्रसारण 24/06/2021

राजीव गांधी सिविक सेन्टर के साथ त्रिपोलिया गेट पर चल रहा है दीनदयाल रसोई केन्द्र

रतलाम। नगर निगम द्वारा राजीव गांधी सिविक सेन्टर के साथ त्रिपोलिया गेट पर संचालित दीनदयाल रसोई योजना केन्द्र भी 18 जून शुक्रवार से पुनः प्रारंभ किया गया है जिसमें हितग्राही 10 रूपये में भोजन कर सकते है।

ज्ञातव्य है कि नगर निगम द्वारा राजीव गांधी सिविक सेन्टर, त्रिपोलिया गेट व डॉ० अम्बेडकर मांगलिक भवन पोलोग्राउण्ड पर दीनदयाल रसोई केन्द्र संचालित किये जा रहे थे किन्तु कोरोना संक्रमण दर बढ़ने पर त्रिपोलिया गेट व डॉ. अम्बेडकर मांगलिक भवन पोलोग्राउण्ड के रसोई केन्द्रों को बंद कर दिया गया था सिर्फ राजीव गांधी सिविक सेन्टर के रसोई केन्द्र को चालू रखा गया था। कोरोना संक्रमण कम होने पर त्रिपोलिया गेट के रसोई केन्द्र को नगर निगम द्वारा प्रारंभ कर दिया गया है। नगर निगम द्वारा जरूरतमंद व्यक्तियों से अपील की जाती है कि वे निर्धारित समय प्रातः

दै. भास्कर 24/08/2021

डोज के लिए भूल गए सोशल डिस्टेंसिंग

रतलाम। टीकाकरण के लिए उमड़ रही भीड़ संक्रमण के अंदेशे से अनजान बनी हुई है। रतलाम के राजगढ़ क्षेत्र में संत नामदेव स्कूल के बाहर वैक्सीनेशन लगवाने आए नागरिकों ने न सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखा व न सही ढंग से मास्क लगाया। फोटो : राकेश पोरवाल

बारिश में जलसंकट • तीन घंटे के शटडाउन से बिगड़ी पेयजल व्यवस्था, रहवासियों ने जताया आक्रोश

पटरी पार इलाके में तीन दिन से ठप है पानी की सप्लाई, आज आपूर्ति की उम्मीद

भास्कर संवाददाता | रतलाम

मेंटेनेंस के लिए बिजली कंपनी द्वारा लिए गए तीन घंटे के शटडाउन से शहर के पटरी पार के इलाके की जलप्रदाय व्यवस्था गड़बड़ा गई है। अलकापुरी टंकी से जुड़े क्षेत्र के रहवासी दो दिन से पानी को तरस रहे हैं।

बुधवार सुबह भी जब नल नहीं आए तो लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। लाइनमैन मुकेश का घेराव कर दिया। सप्लाई नहीं देने का कारण पूछा तो लाइनमैन बोला आगे से पानी नहीं आने के कारण टंकी ही नहीं भर पाई है। दरअसल, रविवार को मेंटेनेंस होने से धोलावड़ की मैन लाइन तीन घंटे बंद रही। इसके बाद पंप चालू हुए तो शहर तक पानी पहुंचने में एक घंटा और गया। गंगासागर, अलकापुरी, ग्लोबस टंकी खाली रह गई। इस कारण जवाहर नगर, अलकापुरी क्षेत्र की बड़ी सप्लाई नहीं हो पाई। उन क्षेत्र में सोमवार को सप्लाई देखकर लक्ष्मणपुरा, पीएंडटी कॉलोनी की छोटी सप्लाई को जलप्रदाय अमले ने बिना सूचना के ब्रेक दे दिया। इससे तय शेड्यूल एक दिन आगे बढ़ गया।

निगम का दावा शेड्यूल से एक दिन देरी से हो रही सप्लाई

लीकेज और जलस्तर घटने से नहीं पहुंच पा रहा पर्याप्त पानी : मुख्य लाइन में लीकेज और डेम का जलस्तर नीचे गिरने से एक माह से शहर तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है। जलस्तर गिरने के बाद 28 मई को निगम ने 65 एचपी के मड पंप से पानी लिफ्ट करना शुरू किया था, जो 24 घंटे चलकर भी पूर्ति नहीं कर पा रहा है। वहीं मोरवानी फिल्टर प्लांट से डेम की तक मैन लाइन में तीन बड़े लीकेज हो रहे थे।

बुधवार पानी नहीं मिलने पर अलकापुरी बी सेक्टर के रहवासियों ने भाजपा मंडल अध्यक्ष मयूर पुरोहित को शिकायत की। उन्होंने लाइनमैन मुकेश शर्मा को बुलाया व खूब खरी-खोटी सुनाई। जवाब नहीं मिलने पर मयूर पुरोहित ने जलप्रदाय इंजीनियर सत्यप्रकाश आचार्य को परेशानी बताई। उन्होंने शेड्यूल एक दिन का आगे बढ़ने की जानकारी दी।

धोलावड़ : साढ़े आठ माह में 10 मीटर घटा जलस्तर

395 मीटर क्षमता
394.65 मीटर सितंबर 2020 में जलस्तर
384.15 मीटर 15 जून को जलस्तर
384.21 मीटर 23 जून को जलस्तर
380 मीटर डेड स्टोरेज

शहर में करीब 1 एमएलडी कम पहुंच रहा पानी

- ज़रूरत - 34 से 34.5 एमएलडी
- अभी मिल रहा - लगभग 33 एमएलडी
- हैंडपंप व ट्यूबवेल - करीब 750
- हैंडपंप व ट्यूबवेल से पानी मिल रहा- 0.5 से 1 एमएलडी
- कमी - करीब 1 एमलडी

बिजली कंपनी ने तीन घंटे का शटडाउन लिया था। उसके बाद एक घंटा शहर तक पानी पहुंचने में लग गया। इस कारण रविवार से पटरी पार के क्षेत्र की सप्लाई का शेड्यूल एक दिन आगे बढ़ गया है। कहीं दिक्कत होगी तो उसे सुधारेंगे।
सत्यप्रकाश आचार्य, जलप्रदाय इंजीनियर नगर निगम

कई दिनों से अलकापुरी व आसपास के क्षेत्रों में ठीक से पानी नहीं दिया जा रहा है। बुधवार को लाइनमैन से बात की लेकिन ठीक से जवाब नहीं दे पाए। एक-दो दिन में सप्लाई नहीं सुधरी तो रहवासियों के साथ अधिकारियों को घेरेंगे।
मयूर पुरोहित, भाजपा मंडल अध्यक्ष